

9

AUGUST

MONDAY

प्रतिदर्शन की विशेषताएँ -

प्रतिदर्शक प्रतिबंधों से एक निश्चित संख्या में -
-युक्त - व्यक्त - सदस्यों का एक समूह होता है।

→ प्रतिदर्श में अपनी प्रतिबंधों के प्रतिनिधित्व का गुण होता है। अर्थात् प्रतिदर्श के व. समूह गुण विद्यमान होने चाहिए, पर प्रतिबंधों में नहीं है।

→ प्रतिदर्श के अध्ययन से प्राप्त मान की सांख्यिकी त्रुटि कम है।

प्रतिदर्शों के प्रकार -

संभावित प्रतिदर्शन
(Probability Sampling)

असंभावित प्रतिदर्शन
(Non-probability Sampling)

संभावित प्रतिदर्शन - संभावित प्रतिदर्शन वेले प्रतिदर्शन कहते हैं। इसमें प्रतिबंधों के सदस्यों के प्रतिदर्श में शामिल करने वाले सदस्यों के चुने जाने की संभावना बराबर - बराबर है या कम - से - कम सांख्यिकी की बात है। इसके साथ प्रतिदर्श एक प्रतिनिधिक प्रतिदर्श होता है। फलस्वरूप प्रतिदर्श से प्राप्त निष्कर्षों को काफी विश्वास के साथ संपूर्ण प्रतिबंधों पर लागू किया जा सकता है।

संभावित प्रतिदर्शों के प्रमुख प्रकार -

- साधारण यादृच्छिक प्रतिदर्शन (Simple random sampling)
- स्तरीय यादृच्छिक प्रतिदर्शन (Stratified random sampling)
- क्लस्टर या गुच्छक प्रतिदर्शन (Area or cluster sampling)

असंभावित प्रतिदर्शन - असंभावित प्रतिदर्शन वेले प्रतिदर्शन कहते हैं। इसमें प्रतिबंधों के सदस्यों का प्रतिदर्श में शामिल करने की संभावना बराबर नहीं होती है। इस तरह से प्राप्त प्रतिदर्श अपनी प्रतिबंधों की सभी सदस्यों प्रतिनिधित्व नहीं करता है। फलस्वरूप इसके साथ निष्कर्षों को पूरे प्रतिबंधों पर विश्वास के साथ लागू नहीं किया जा सकता है।

- असंश्लेषित प्रतिरूपों के प्रकार -
- क्वाटा प्रतिरूप (Quota sampling)
 - उद्देश्यपूर्ण प्रतिरूप (Purposive sampling)
 - अकस्मिक प्रतिरूप (Accidental or incidental sampling)
 - क्रमबद्ध प्रतिरूप (Systematic sampling)

साधारण यादृच्छिक प्रतिरूप (Simple Random Sampling) :-

साधारण यादृच्छिक प्रतिरूप वेदा प्रतिरूपों में से एक है। जिसमें जनसंख्या के प्रत्येक सदस्य के प्रतिरूपों में समान ही संभावना बराबर-बराबर होती है। तथा किसी भी सदस्य का चयन दूसरे के चयन में प्रभावित नहीं होता है।

Guifford (1956) के अनुसार - "साधारण यादृच्छिक प्रतिरूपों की शक्ति उन परिणामों से है कि यह जनसंख्या से व्यक्तियों को चुनने का एक ऐसा तरीका है जिसमें जनसंख्या के प्रत्येक व्यक्ति को समान चयन की संभावना बराबर-बराबर होती है। किसी एक व्यक्ति का चयन किसी दूसरे व्यक्ति के चयन पर निर्भर नहीं होता है।"

इस शक्ति द्वारा प्रतिरूपों के चयन के लिए प्रयोगकर्ता द्वारा जारी बिंदु, सिक्का उड़ाना, फिलवाला या विधि आदि का प्रयोग किया जाता है। क्योंकि इनमें संयोग या संभावना का नियम (law of chance) पूर्ण तरह से क्रियान्वित होता है।

स्तरित यादृच्छिक प्रतिरूप (Stratified Random Sampling) :-

स्तरित यादृच्छिक प्रतिरूप एक वेदा प्रतिरूप है, जिसमें जनसंख्या जनसंख्या को कुछ खाल विभाजनों के आधार पर प्रतिरूपों का चयन होता है। इनमें जनसंख्या के आकार का पूरा पूरा ध्यान रखा जाता है। इसके दो मुख्य प्रकार हैं -

- 1. समानुपाती स्तरित यादृच्छिक प्रतिरूप
- 2. असमानुपाती स्तरित यादृच्छिक प्रतिरूप

स्तरित जनसंख्या जनसंख्या से पहले कुछ खाल चुनने के आधार पर ही स्तरों में बाँट लेता है और

व्यक्तियों का चयन करके एक प्रतिनिधिक प्रतिदर्श-
 क निर्धार करना है। इस तरह के प्रतिदर्श में चुने
 जये व्यक्तियों की संख्या यदि जनसंख्या के स्तर के
 समान अनुपात में होनी है, तो इसे समानुपाती स्तरित
 आदर्शिक प्रतिदर्शन कहा जाता है। और यदि प्रतिदर्श
 जनसंख्या के स्तर के समान अनुपात में नहीं होनी
 है, तो इसे असमानुपाती स्तरित आदर्शिक प्रतिदर्शन कहा
 जाता है। जैसे - यदि किसी जनसंख्या में 60% पुरुष एवं
 40% महिला हैं। एक शोधकर्ता अपने 100 व्यक्तियों का चयन कर
 प्रतिदर्श बनाना चाहता है, और यदि वह अपने प्रतिदर्श में आदर्शिक स्तर
 से जनसंख्या के स्तर के समानुपात में 60 पुरुष और
 40 महिला का चयन करता है, तो यह समानुपाती स्तरित
 आदर्शिक प्रतिदर्शन का उदाहरण होगा। और यदि वह
 अपने प्रतिदर्श में आदर्शिक स्तर से 50 पुरुष और
 50 महिला का चयन कर लेता है, तो यह असमानुपाती
 स्तरित आदर्शिक प्रतिदर्शन का उदाहरण होगा।

कोटा प्रतिदर्शन (Quota sampling) :-

कोटा प्रतिदर्शन एक असंभावित प्रतिदर्शन है। इस
 तरह के प्रतिदर्शन में जनसंख्या की उसकी विशेषताओं के
 अनुसार उई स्तरों में पहचान कर ली जाती है और
 इसके बाद शोधकर्ता प्रत्येक स्तर से अपनी आवश्यकता
 के अनुसार व्यक्तियों का चयन मनमाना स्तर से न
 कि आदर्शिक स्तर से कर लेता है।

Kerlinger, (1986) के अनुसार - "कोटा प्रतिदर्शन एक तरह
 का असंभावित प्रतिदर्शन है, जिसमें जनसंख्या के स्तरों जैसे-
 शैल, पेशा, रोग और उम्र जैसे स्तरों के अन्त स्तरों के साथ
 के आधार पर प्रतिदर्श की संरचनाओं को चुना जाता
 है, जो कुछ खास शोध उद्देश्यों के लिए प्रतिनिधिक,
 विशिष्ट एवं उपयुक्त होते हैं।"

उद्देश्यपूर्ण प्रतिदर्शन या निर्णायक प्रतिदर्शन
(Purposive Sampling or Judgemental Sampling)

उद्देश्यपूर्ण प्रतिदर्शन का अर्थ असांख्यिक प्रतिदर्शन विधि है। जिसमें शोधकर्ता उन व्यक्तियों को प्रतिदर्श के रूप में शामिल करता है, जिन्हें वह समझता है कि वह निष्कर्षण का सर्वोत्तम प्रतिनिधित्व करते हैं।

Guilford, (1956) के अनुसार - "उद्देश्यपूर्ण प्रतिदर्शन वह है, जिसमें शोधकर्ता वे लोग चुनता है, क्योंकि इनमें निष्कर्षण के प्रतिनिधित्व होने का प्रमाण बहुत होता है।"

इस तरह के प्रतिदर्शन को निर्णायक प्रतिदर्शन भी कहा जाता है, क्योंकि इनमें शोधकर्ता उन सदस्यों को चुनता है जो निर्णय स्वयं लेता है। जो वह निष्कर्षण निष्कर्षण का प्रतिनिधित्व करते समझते उन्हें ही चुनता है - अर्थात् - उद्देश्यपूर्ण। जो सदस्य जो अधिक महत्वपूर्ण का प्रतिनिधित्व करने वाले हैं। शोधकर्ता इनका प्रयोग अध्ययन करने परी-कार है।